भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 16.12.2018

चुनौतियों का समाधान सुझाएंगे कथाकार

विज्ञान कथा सम्मेलन

पुष्पक विमान ही तो हैं अमेरिका के स्मार्ट अंतरिक्ष यान

वाराणसी | निज संवाददाता

विज्ञान कथाकारों की कल्पनाएं भविष्य की चुनौतियों के समाधान का रास्ता सुझाएंगी। कल्पना ही निर्माण की प्रेरणा शक्ति है। विज्ञान कथाओं में कल्पित समस्या और उसका समाधान, दोनों विद्यमान हैं। यह कहना है विज्ञान संचार संस्था निस्केयर दिल्ली के निदेशक डॉ. मनोज के पटेरिया का।

वह शनिवार को आईआईटी बीएचयू में आयोजित 17वीं भारतीय विज्ञान कथाकारों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल्पनाओं पर ही भविष्य की तकनीक आधारित है।

प्रमुख वक्ता विज्ञान कथा लेखक संघ, फैजाबाद के डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय ने कहा कि आज संवेदनाओं से भरी कई मशीनों का अविष्कार हो चुका है। अध्यक्षता कर रहे आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने कहा कि विज्ञान, तकनीक तथा साहित्य के समायोजन से भविष्य की चुनौतियों का समाधान आसान होगा। बंगलोर के डॉ. श्रीनरहरि, दक्षिण कोरिया की किम बो यंग और ली सिहयों, डा. कल्पना कुलश्रेष्ठ आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

वाराणसी | आनंद मिश्र

रामायण काल का पुष्पक विमान महज कोरी कल्पना नहीं बल्कि अतिसंवेदनाओं से युक्त एक उपकरण था। अमेरिका में डिजाइन किए जा रहे स्मार्ट स्पेसशिप या अंतरिक्ष यान उसी पुष्पक विमान के आधुनिक स्वरूप हैं। ये बातें विज्ञान संचार की संस्था निस्केयर दिल्ली के निदेशक डॉ. मनोज के पटेरिया विज्ञान कथाकार सम्मेलन में कहीं।

उन्होंने कहा कि हमेशा एक व्यक्ति का स्थान रिक्त रहना पुष्पक विमान की सबसे बड़ी विशेषता थी। यही विशेषता स्मार्ट अंतरिक्ष यान की है। ये यान आवश्यकतानुसार अपना आकार बदल सकते हैं। इनमें यह क्षमता असीमित है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि पुष्पक विमान में संवेदना भी थी। रावण वध के बाद जब यह विमान भगवान श्रीराम को अयोध्या पहुंचाने गया तो लौटते वक्त यह हर्ष और विषाद दोनों से भरा था। हर्ष अपने मालिक कुबेर से मिलने का और विषाद राम से बिछड़ने का था। इसका अभिप्राय यह है कि पुष्पक विमान की तकनीक संवेदनशीतला पर आधारित थी। उसी का उपयोग करते हुए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने वर्तमान युग का पुष्पक विमान तैयार कर लिया है।

बोले कथाकार

नार्वे, जर्मनी व ईरान जैसे हमने भी मातृभाषा में विज्ञान का अध्यापन शुरू कर दिया तो भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा।
-डा. राजीव रंजन उपाध्याय, अध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कथा लेखक समिति

दक्षिण भारत में बदलाव की बयार बहने लगी है। इसी वर्ष से तामिलनाडु सरकार ने कक्षा छह से 12 तक विज्ञान की पढ़ाई तमिल में शुरू कर दिया है।
डा.नेल्लई एस. मुत्थू, पूर्व अंतरिक्ष विज्ञानी, इसरो

विगत 15 वर्षों में विज्ञान कथा लिखने के दौरान मैंने पाया कि सैकड़ो साल पहले जिन तकनीकों का जिक्र हुआ है, आज वे सामने देख रही हैं।
डा. किम बो यंग, विज्ञान कथा लेखिका, द. कोरिया

नई खोजों से विनाश नियंत्रण में विज्ञान कथाएं सक्षम

वाराणसी। विज्ञान की नई खोजों को विनाश का जरिया बनाने से रोकने में विज्ञान कथा लेखन पूर्ण रूप से सक्षम है। सन 1818 में फ्रांस की मेरी शेली की लिखी गई पहली आधुनिक विज्ञान कथा फ्रैकेनस्टीन से लेकर वर्तमान में भारतीय मूल की अमेरिकी लेखिका वंदना सिंह के विज्ञान लेखन की लंबी शृंखला इसकी गवाह है। इन कथाओं में प्रौद्योगिकी की खोजों के आधार पर जो संभावनाएं और आशंकाएं व्यक्त की गईं, वे भविष्य में सत्य साबित हुईं। यह साइंस फिक्शन राइटर्स मीट में शामिल हुए लेखकों के विचारों का सार है। इंडियन एसोसिएशन फार साइंस फिक्शन स्टडीज, बंगलौर, इंडियन साइंस फिक्शन राइटर्स एसोसिएशन व महामना मालवीय नवप्रवर्तन केंद्र, आईआईटी बीएचयू के संयुक्त आयोजन में विज्ञान संचार की शीर्ष संस्था निस्केयर के निदेशक डा. मनोज के. पटैरिया, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक डा. नेल्लई एस मुत्थू, भारतीय विज्ञान कथा लेखक समिति के अध्यक्ष डा. राजीव उपाध्याय, आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन मौजूद रहे। स्वागत प्रो. पीके मिश्रा एवं संयोजन डा. अरविंद मिश्रा ने किया।